न्यूज डायरी

पीओके में कैसे दखल बढ़ा रहा ड्रैगन, जानिए चीन की बैचेनी का राज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाक अधिकृत कश्मीर और गिलगित बाल्टिस्तान में पाकिस्तान की मदद से चीन अपना दबदबा बढ़ाने में लगा है। हजारों की संख्या में चीनी नागरिक सड़क, डैम, पुल और टनल के निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं। पीओके में बढ़ते चीनी प्रभाव का असर भारत पर भी दिखाई दे रहा है। कई विशेषज्ञों ने चीन की चाल को ताइवान के साथ भी जोड़ा है। गिलगित–बाल्टिस्तान में पाकिस्तान चीनी मदद से बांध बनाने की तैयारी कर रहा है। बुधवार को पाकिस्तान की सरकार ने चीन की सरकारी कंपनी (चाइना पावर) और पाकिस्तानी सेना की बांध निर्माण से संबंधित कंपनी के बीच 5.8 अरब अमेरिकी डॉलर के संयुक्त करार पर हस्ताक्षर किए थे।इस निर्माण में चीनी कंपनी की 70 फीसदी जबकि पाकिस्तान की 30 फीसदी भागीदारी रहेगी। पीओके के गिलगित–बाल्टिस्तान में बन रहे दिआमेर–ब्हाशा बांध का भारत ने विरोध जताते हुए इसे संप्रभुता का उल्लंघन बताया।

पाकिस्तानी डॉक्टर पर आतंकवाद के आरोप तय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। पाकिस्तानी मूल के एक डॉक्टर पर अमेरिका की संघीय ग्रांड जूरी ने इस्लामिक स्टेट आतंकवादी संगठन के प्रति वफादारी निभाने की प्रतिज्ञा लेने और अमेरिका में "स्वतंत्र रूप से'' आतंकवादी हमलों को अंजाम देने की इच्छा जताने के आरोप तय किए हैं। अभियोग के मुताबिक, मुहम्मद मसूद (28), पाकिस्तान का लाइसेंस धारक मेडिकल डॉक्टर है जो एच1बी वीजा के तहत पूर्व में मिनेसोटा के रोचेस्टर के मेडिकल क्लिनिक में शोध समन्वयक के तौर पर कार्यरत था। मसूद के खिलाफ अभियोग की घोषणा अमेरिकी अधिवक्ता एरिका मैकडोनाल्ड ने शुक्रवार को की थी। मसूद पर शुरुआत में आपराधिक मामले के संबंध में आरोप लगा था और 19 मार्च को मिनियापोलिस– सेंट पॉल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर गिरफ्तार किए जाने के बाद से वह हिरासत में था। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक मसूद ने अमेरिका में "स्वतंत्र रूप से" आतंकवादी हमले करने की अपनी इच्छा भी जाहिर की।

अंतर–अफगान वार्ता ही शांति का एकमात्र विकल्प हैः खलीलजाद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अफगानिस्तान सुलह वार्ता के लिए अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि जलमय खलीलजाद ने कहा कि युद्धग्रस्त देश में शांति के लिए अंतर–अफगान वार्ता के अलावा कोई विकल्प नहीं है। खलीलजाद ने कॉन्फ्रेंस कॉल में पत्रकारों से कहा, ''अफगानिस्तान और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में यह आम सहमति है कि सेना का इस्तेमाल समाधान नहीं है। अफगानियों के बीच राजनीतिक समाधान, शांति समझौता ही मौजूदा वक्त में इकलौता उचित विकल्प है।'' उन्होंने कहा, ''हम भी अमेरिका पर बोझ कम करने के लिए राजनीतिक समाधान चाहते हैं और यह हो रहा है। साथ ही यह भी चाहते हैं कि अफगानिस्तान अमेरिका या हमारे सहयोगियों पर हमले का फिर कभी मंच न बने।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका–तालिबान समझौते ने शांति पर आगे बढ़ने का ऐतिहासिक अवसर मुहैया कराया है।

नवाज शरीफ के खिलाफ दर्ज होंगे भ्रष्टाचार के दो और मामले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। पाकिस्तान की भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के खिलाफ जवाबदेही अदालत में भ्रष्टाचार के दो और मामले दायर करने की मंजूरी दी है। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के महानिदेशक शहजाद सलीम की अध्यक्षता में शुक्रवार को यहां क्षेत्रीय बोर्ड की बैठक बुलाई गई। बोर्ड ने धन शोधन और आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामलों में 69 वर्षीय नवाज, उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ, बेटी मरयम नवाज और 13 अन्यों के खिलाफ भ्रष्टाचार के अतिरिक्त मामलों पर चर्चा की। इसी तरह बोर्ड ने 54 कनाल भूमि मामले में नवाज शरीफ, जियो मीडिया समूह के संस्थापक मीर शकीलुर रहमान तथा दो अन्यों के खिलाफ एक अन्य मामला दायर करने की भी मंजूरी दी।

चीन में 84 हजार नहीं 6.4 लाख कोरोना केस

रिपोर्ट

चीन में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या से जुड़ा डेटा लीक

■डेटा में 230 शहरों के 6.4 लाख लोगों की जानकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। क्या चीन कोरोना वायरस के मामलों को छिपा रहा है? यह सवाल पिछले दो–तीन महीनों में कई बार उठा है मगर कोई पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई थी। चीन में कोरोना के केसेज की संख्या पर विवाद कायम है। अब एक ताजा खुलासा हुआ है जिसमें कहा गया है कि चीन में 84 हजार नहीं बल्कि 6. 4 लाख लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए थे। यह जानकारी मिलिटरी के नेतृत्व में चलने वाली एक चीनी यूनिवर्सिटी से लीक हुई है।

चीन ने आधिकारिक रूप से माना है कि उनके यहां कोरोना के 84,029 केसेज सामने आए हैं। लेकिन अब चांग्सा में मौजूद नैशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नॉलजी से लीक हुए डेटा के मुताबिक, यहां कोरोना के मरीजों की संख्या 6.4 लाख तक हो सकती है।

डेटा में केसेज की माइनर डिटेल्स तक शामिलः फॉरेन पॉलिसी और 100 रिपोर्टर्स साइट के पास मौजूद इस लीक डेटा में देश के 230 शहरों के 6.4 लाख लोगों की जानकारी मौजूद है। हर एंट्री में कन्फर्म केस, तारीख और स्थान दर्ज है जो कि फरवरी की शुरुआत से लेकर अप्रैल के अंत तक के हैं। लोकेशन में अस्पताल, रिहायशी अपार्टमेंट, होटल, सुपरमार्केट, रेलवे स्टेशन, रेस्तरां, स्कूल और यहां तक कि ज़ख्ब के ब्रांच तक शामिल हैं। माना जा रहा है कि हर एंट्री कम से कम एक केस से जुड़ी हुई है जिसका मतलब है कि देश में कम से कम 6.4 लाख कोरोना मरीज हैं।

पब्लिक रिसोर्सेस से जुटा डेटाः हालांकि, यह दावा किया जा रहा है कि संख्या 6.4 लाख से भी ज्यादा और कम भी हो सकती है। यह साफ नहीं है कि यह डेटा कैसे जुटाया गया है लेकिन यूनिवर्सिटी की साइट पर लिखा गया है कि इसने विभिन्न सार्वजनिक संसाधनों का इस्तेमाल किया है। चूंकि इसमें किसी का नाम दर्ज नहीं है तो केस की पुष्टि मुश्किल है। बता दें कि चीन के खिलाफ आरोपों की बौछार जारी है। उस पर कोरोना मरीजों की संख्या दबाने के आरोप हैं। वहीं, चीन का दावा है कि वह कोरोना वायरस से निपटने में कामयाब रहा और समय रहते जरूरी पीपीआई किट और दवाई खरीद ली ताकि संक्रमण को रोका जा सके।

यूएस, डब्ल्यूएचओ की डेटा पर क्या रायः सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने फॉरेन पॉलिसी और 100 रिपोर्टर्स की इस रिपोर्ट पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया जबकि डब्ल्यूएचओ का कहना है कि उसे ऐसे किसी डेटाबेस की जानकारी नहीं है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने चीन पर कोरोना वायरस की जानकारी छुपाने और डब्ल्यूएचओ पर पेइचिंग का बचाव करने के लिए आरोप लगाए हैं। वहीं, आकंड़ों की बात करें तो दुनियाभर में कोरोना वायरस के 44 लाख मामलों की पुष्टि हो चुकी है और 3 लाख लोगों की जान इस घातक वायरस ने ले ली है।

पाक के लिए बनाया परमाणु बम, कैद में काट रहे जिंदगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। वैश्विक परमाणु प्रसार की बात स्वीकार कर साल 2004 में सुर्खियां बनाने वाले पाकिस्तान वैज्ञानिक अब्दुल कादिर ने सुको में याचिका दाखिल की और यह आरोप लगाए हैं कि सरकारी एजेंसी ने उन्हें कैद कर रखा है ।

उन्होंने आरोप लगाया है कि आजादी से उनके घूमने से जुड़े उनके केस को लेकर याचिका तक दाखिल नहीं करने दी जा रही है। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम में जनक कहे जाने वाले कादिर खान को परमाणु प्रसार की बात स्वीकार करने के बाद पद से हटा दिया गया था। पाकिस्तान ने पड़ोसी भारत से होड़ करते हुए 1998 में पहले एटम बम का परीक्षण किया था। खान को जब से पद से हटाया गया है तभी से वह भारी सुरक्षा के बीच इस्लामाबाद एक इलाके में अलग–थलग रहते हैं। हालांकि, प्रशासन का कहना है कि उन्हें सुरक्षा कारणों से इस तरह से रखा गया है।

अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, कादिर खान ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में हस्तलिखित नोट में लिखा, मुझे कैदियों की तरह रखा गया और न तो घूमने की आजादी है और न ही किसी से मिलने की। खान ने पिछले साल भी एक याचिका दाखिल की थी जिसमें उन्होंने कहा था कि अदालत के आदेश के बावजूद उन्हें निगरानी में रखा जा रहा है।

महात्मा गांधी का दांडी मार्च देखने वाले आखिरी जीवित शख्स का निधन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जोहानसबर्ग। महात्मा गांधी की ऐतिहासिक दांडी यात्रा में शामिल होने वाले 96 साल के छोटूभाई माकन का गुरुवार को जोहानसबर्ग में निधन हो गया। वे साउथ अफ्रीक से दांडी यात्रा में शामिल होने वाले अंतिम जीवित व्यक्ति थे। उनका नाम साउथ अफ्रीका में गुजराती समुदाय के बड़े नेताओं में शुमार था। उन्होंने साउथ अफ्रीका के ओल्ड ट्रांसवाल्ड प्राविंस के हिंदू समाज सेवा के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया था। गांधीवादी नेता छोटूभाई माकन ने अपना पूरा जीवन अफ्रीका में भारतीयों की सेवा में बिताया था। उन्होंने वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के धार्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक विकास के लिए काम किया था।

डच सरकार ने लोगों से कहा, लॉकडाउन में सेक्स पार्टनर की करें तलाश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एम्सटर्डम। नीदरलैंड की सरकार ने कोरोना वायरस लॉकडाउन के दौरान लोगों को अपना सेक्स पार्टनर खोजने की सलाह दी है। यहां के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक हेल्थ एंड एनवायरनमेंट ने एक बयान जारी कर कहा है कि अकेले रह रहे लोग अपने लिए एक पार्टनर की खोज करें। साथ ही चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उन्हें लगता है कि उनके सेक्स पार्टनर को कोरोना वायरस का संक्रमण है तो उससे बचाव भी करें।

सरकार ने जारी की सफाई, बोली– सलाह का गलत मतलब निकाला गया

आलोचना के बाद डच सरकार ने दी सफाईः आलोचना के बाद डच सरकार ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने सेक्स की सलाह नहीं जारी की थी। इसे गलत नजरिए से देखा जा रहा है। बता दें कि नीदरलैंड में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए लॉकडाउन को लागू किया गया है, वहीं लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की सलाह दी जा रही है।

14 मई को जारी किया गया था दिशानिर्देशः 14 मई को जारी दिशानिर्देश में कहा था कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान शारीरिक संबंध बनाने के दौरान अकेले रह रहे लोगों को अत्यंत सावाधानी बरतनी चाहिए। उन्हें अपने पार्टनर के कोरोना वायरस के संक्रमण के बारे में जानकारी हासिल करना जरूरी है।

कम लोगों से मिलने की सलाह इस दिशानिर्देश में यह भी कहा गया है कि उनके पार्टनर लॉकडाउन के दौरान जितने कम व्यक्तियों से मिलेंगे, कोरोना वायरस के संक्रमण होने का खतरा उतना ही कम होगा। सुझाव देते हुए पब्लिक हेल्थ एंड एनवायरनमेंट ने कहा कि लोग पार्टनर के साथ ज्यादा समय घर के अंतर ही व्यतीत करें।

नीदरलैंड में 11 मई से से कोरोना वायरस लॉकडाउन एक्जिट प्लान का प्रथम चरण शुरू किया गया है।

ट्रंप के पास आपात शक्तियां जिससे परेशान हैं वहां के सांसद!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस दिन कोविड–19 महामारी को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया था, तब अजीबोगरीब बयान देते हुए कहा था, मुझे बहुत कुछ करने का अधिकार है जिसके बारे में लोग जानते तक नहीं हैं।श दरअसल, ट्रंप शेखी नहीं बघार रहे थे। जब कोई राष्ट्रपति राष्ट्रीय आपात स्थिति की घोषणा करता है तो दर्जनों वैधानिक संस्थाएं उसके अधीन आ जाती हैं। यूं तो इन संस्थाओं का इस्तेमाल न के बराबर होता है लेकिन ट्रंप ने पिछले महीने यह कहकर कानूनी जानकारों और अन्य लोगों को स्तब्ध कर दिया था कि कोविड–19 के दिशानिर्देशों में ढील देने में उन्हें गवर्नर्स पर पूरी तरह अधिकार है। इसके बाद 10 सांसदों ने यह जानने की कोशिश की कि ट्रंप जिन आपातकालीन शक्तियों की बात कर रहे हैं, वह आखिर हैं क्या? सांसदों ने ट्रंप प्रशासन के प्रेसिडेंशियल इमर्जेंसी ऐक्शन डॉक्यूमेंट देखने की मांग की है। ये दस्तावेज राष्ट्रपति को संविधान से इतर अधिकार तो नहीं देते हैं लेकिन ये बताते हैं कि राष्ट्रीय आपात स्थिति से निपटने के लिए संविधान राष्ट्रपति को क्या शक्तियां देता है।